

वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में आवास की कीमतों में सकारात्मक वृद्धि: रा.आ.बैंक

- ❖ मार्च 2026 को समाप्त तिमाही से, आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2017-18 से बदलकर वित्त वर्ष 2024-25 कर दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवास मूल्य सूचकांक वर्तमान बाजार प्रवृत्तियों के अनुरूप बना रहे।
- ❖ प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।
- ❖ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान 44 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।
- ❖ मूल्यांकन कीमतों के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 4.5% की वृद्धि दर्ज की।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने जनवरी - मार्च 2026 में 1.9% का विस्तार दर्ज किया।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान, फ़रीदाबाद (9.7%) और कोच्चि (9.1%) के लिए एचपीआई @ आकलन मूल्य में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि देखी गई है।

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा जारी नवीनतम आवास मूल्य सूचकांक (एनएचबी रेजीडेक्स) वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान 44 शहरों में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि की दर्शाता है।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों की मूल्यांकन कीमतों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान 4.5% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

भारत के सात प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में जनवरी - मार्च 2026 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (7.2%), बेंगलुरु (13.1%), चेन्नई (8.6%), हैदराबाद (3.3%), कोलकाता (5.3%), मुंबई (4.5%) और पुणे (2.9%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर्ज की।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 22.2% (लुधियाना) की वृद्धि से लेकर 4.3% (दिल्ली) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

कवर किए गए 50 शहरों में से, 6 शहरों ने वार्षिक आधार पर संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की।